सुविचार

भगवान से ही नहीं, अपने गलत कामों से भी डरना चाहिए। क्योंकि भगवान तो माफ कर देते हैं, लेकिन कर्म कभी माफ नहीं करते।

दैनिक पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 75 | पंचकूला। मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

अनिल मेहता बने पंचकूला कांग्रेस शहरी ब्लाक अध्यक्ष

पंचकूला। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस द्वारा अनिल मेहता को पंचकूला कांग्रेस शहरी ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया है। सेक्टर 15 निवासी अनिल मेहता ने कहा कि मैं प्रदेश कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व व विधायक चंद्रमोहन और शीर्ष नेतृत्व का दिल से आभार व्यक्त करता हूं और अपनी जिम्मेदारी को निष्ठा निभाएंगे।

फ्रीबीज पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सुविधाओं यानी फ्रीबीज के वादों पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मुद्दे से जुड़ी अन्य याचिकाएं पहले से ही उसके पास लंबित हैं, इसलिए वह इस नई याचिका पर अलग से सुनवाई नहीं करेगा। यह याचिका इस आधार पर दायर की गई थी कि चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी धन का इस्तेमाल कर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करना उचित नहीं है और इसे भ्रष्ट आचरण माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस तरह के वादे मतदाताओं को प्रभावित करते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं।

हैदराबाद-हुबली फ्लाइट 2 घंटे हवा में चक्कर काटती रही

हैदराबाद। हैदराबाद से हुबली जा रही स्द्य4-91 एयरलाइन की एक फ्लाइट रविवार को खराब मौसम के चलते 2 घंटे हवा में ही चक्कर काटती रही। खराब मौसम की वजह से प्लेन में सवार पैसेंजर्स को तेज झटके महसूस हुए, जिससे वे घबरा गए। सोशल मीडिया में वायरल इ्ढ्ढष्श्वह्व में पैसेंजर रोते हुए और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहे हैं। जानकारी के मुताबिक लो कास्ट एयरलाइन स्द्य4-91 की फ्लाइट रविवार दोपहर 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। इसे शाम करीब 4:30 बजे हुबली पहुंचना था, लेकिन वहां खराब मौसम के कारण यह लैंड नहीं हो पाई।

सिविल अस्पताल की आईसीयू में मृत मिली नर्सिंग ऑफिसर

हाथ में कैनुला इंजेक्शन लगे होने की आशंका, 5 डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम, रिपोर्ट से होगा मौत का खुलासा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। सेक्टर-6 स्थित सिविल अस्पताल के आईसीयू वार्ड में रविवार रात महिला नर्सिंग आफिसर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। मृतका की पहचान प्रीति बेनीवाल (29) के तौर पर हुई है। प्रीति पंचकूला के सेक्टर-31 में परिवार के साथ रहती थी। मूल रूप से हिसार के गांव जुगलान की रहने वाली थी। प्रीति का भाई नितिन स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय पंचकूला में ही कार्यरत है। वहीं उसका दूसरा भाई आशीष चुनाव आयोग में सेवारत है। प्रीति की भाभी पंचायत विभाग में सचिव के पद पर तैनात है। सोमवार को पांच डाक्टरों के बोर्ड ने प्रीति का पोस्टमार्टम किया। बोर्ड में डा. कल्पना त्यागी, डा. निखिल, दीपक, ईएनटी की डॉ सुखदीप कौर और अस्पताल के पीएमओ डॉ. आरएस चौहान मौजूद रहे। सोमवार को दिनभर अस्पताल में माहौल गमगीन था। स्टाफ ने प्रीति को श्रद्धांजलि दी। पोस्टमार्टम के बाद प्रीति का परिवार ने अंतिम संस्कार कर दिया।

पीएमओ डा. आरएस चौहान ने बताया कि नर्स प्रीति की मौत हाथ में कैनुला इंजेक्शन लगाने से होने की बात सामने आई है। मसल रिलेक्शन इंजेक्शन की ओवरडोज से हृदयगति रुकने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद विसरा रिपोर्ट पुलिस को दी गई है। अब विसरा की जांच करनाल लैब में की जाएगी। इसके बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारण पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस टीम और फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं।

दो साल पहले वर्ष 2024 में प्रीति की नौकरी लगी थी। पहली पोस्टिंग पंचकूला सिविल अस्पताल में बतौर रेगुलर ऑफिसर ज्वाइन किया था। उसका ड्यूटी का अधिकांश समय आईसीयू वार्ड में ही बीतता था। रविवार को प्रीति इवनिंग शिफ्ट दोपहर दो बजे से रात आठ बजे तक ड्यूटी पर आई थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह चेंजिंग रूम में गई। जब दूसरी नर्सिंग ऑफिसर चेंजिंग रूम में गई तो प्रीति वहां बेसुध पड़ी मिली। आनन-फानन में उसे आईसीयू में ले जाया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पूरी तरह से आईसीयू को बंद कर दिया था। रात 10 बजे फारेंसिक जांच के बाद यह मरीजों के लिए खोला गया। टीम ने यहां पर दवाओं के सैंपल भी लिए हैं।

पुलिस की जांच में सामने आया कि प्रीति रविवार की दोपहर 2 बजे अपनी ड्यूटी पर आई थी। इसके बाद से घर नहीं लौटी। रात 8 बजे के बाद जब वह देर तक घर नहीं लौटी तब परिवार सहम गया। अस्पताल से कॉन्टेक्ट करने पर उसकी पड़ताल शुरू हुई। कुछ देर के बाद प्रीति इमरजेंसी के टायलेट के नजदीक बेसुध हालत में कर्मियों को मिली। उसे तुरंत इमरजेंसी में शिफ्ट किया गया, लेकिन उसके शरीर में कोई हरकत नहीं थी। इलाज के दौरान डॉक्टर ने प्रीति को मृत घोषित कर दिया। इस बीच परिवार बेटी की तबियत खराब होने की खबर सुनते ही अस्पताल की तरफ दौड़े। वहां पहुंचे तो बेटी की मौत की खबर ने उन्हें तोड़ दिया।

मोबाइल गायब, लास्ट लोकेशन की जांच

पुलिस का कहना है कि मौत के बाद प्रीति का मोबाइल स्विच ऑफ था। मौके पर जांच के दौरान मोबाइल नहीं मिला तो लास्ट लोकेशन से जांच की जा रही है। मोबाइल सर्विलांस के जरिए ट्रेस किया जा रहा है। उधर, प्रीति के शव का सोमवार को पांच डॉक्टरों के पेनल ने पोस्टमार्टम किया, जिसके बाद शव से विसरा लेकर फोरेंसिक लैब में भेजा जाएगा। विसरा रिपोर्ट से आने के बाद मौत के असली कारणों का पता लग पाएगा। प्रीति की अचानक मौत के बाद पूरे अस्पताल में हर कोई सन्न और खामोश है। मोर्चरी में पहुंचे पीड़ित परिवार का रो रो कर बुरा हाल था। वहीं स्टाफ नर्स प्रीति के साथ काम करने वाले कर्मचारियों की आंखें नम थी। मृतका के ताया ने बताया कि प्रीति बेहद हंसमुख थी। सब के साथ मिलनसार थी। उसके चेहरे से कभी नहीं लगता था कि वह परेशान है। प्रीति के रिश्तेदारों ने शव के पोस्टमार्टम में देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि शव का हिसार में अंतिम संस्कार किया जाना है, शाम तक पहुंचने में देरी हो सकती है। इसके बाद पोस्टमार्टम दोपहर के समय शुरू हो सका। बताया जा रहा कि प्रीति की शादी की बातचीत चल रही थी और परिवार में खुशी का माहौल था। परिवार ने कहा कि उनकी बेटी यूं हमें छोड़ कर नहीं जा सकती। उधर, पुलिस ने इमरजेंसी के डॉक्टरों, कर्मचारियों से अलग अलग पूछताछ की। हालांकि, कोई भी प्रीति की मौत पर बोलने को तैयार नहीं हुआ। इस बीच सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने सुनाई 20 साल की कठोर सजा

पंचकूला। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनीष दुआ की अदालत ने वर्ष 2021 के एक पॉक्सो मामले में ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी है।

अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे अदा न करने की सूरत में सजा की अवधि ब?ाई जाएगी। अदालत ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) और भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के तहत दोषी पाते हुए यह क?ी सजा सुनाई है। यह मामला 13 दिसंबर 2021 को तब प्रकाश में आया था जब पीड़िता की मां ने पंचकूला महिला थाना में न्याय की गुहार लगाई थी। शिकायत में बताया गया था कि 12 दिसंबर को एक परिचित व्यक्ति उनकी 14 वर्षीय बेटी को किसी रिश्तेदार से मिलवाने के बहाने पंचकूला के ही एक सुनसान स्थान पर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर तुरंत महिला थाना में मामला दर्ज कर जांच प्रक्रिया शुरु की गई। उस वक्त पंचकूला के महिला थाना में तैनात महिला पीएसआई प्रिया के नेतृत्व में पुलिस ने तत्परता दिखाई और मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी आरोपी को 14 अप्रैल को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया। पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने भी कानून-व्यवस्था के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा- समाज में डर अपराधियों के मन में होना चाहिए, आम जनता के मन में नहीं। पॉक्सो एक्ट के तहत दी गई यह सजा उन लोगों के लिए एक सख्त चेतावनी है जो मासूमों को अपना शिकार बनाने की सोचते हैं।

जम्मू-कश्मीर में बस खाई में गिरी, 21 लोगों की मौत, 61 घायल

पंचकूला ऑब्जर्वर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर बस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसकी पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को की। साथ ही बताया कि जरूरतमंदों को हर संभव मदद दी जा रही है।

केंद्रीय राज्यमंत्री और कठुआ-उधमपुर से लोकसभा के सांसद जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, अब तक 21 लोगों की मौत हुई है और 61 घायल हैं। घायलों को ऊधमपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एयरलिफ्ट किया जा रहा है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को हर संभव सहायता दी जा रही है, और साथ ही बताया , मेरा कार्यालय लगातार संपर्क में है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में पूरी तत्परता से लगा हुआ है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हालांकि किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता से उधमपुर की दुखद सड़क दुर्घटना में हुई अपूरणीय जानमाल की क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती, फिर भी तत्काल राहत के रूप में मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता की घोषणा की गई है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 25,000 रुपए दिए जाएंगे।

इसके साथ ही केंद्र सरकार ने बस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की। यह हादसा सोमवार सुबह जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में उस वक्त हुआ जब बस रामनगर से ऊधमपुर शहर की ओर आ रही थी।

मुर्मु, पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की घोषणा

श्रीनगर, 20 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुए बस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बस दुर्घटना के कारण हुई जान-माल की हानि के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, फजम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु के बारे में जानकर मुझे अत्यंत दुख हुआ है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मैं शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। इस दुखद हादसे पर पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट लिखा, मैं उन लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

नरेश देशवाल बने सोसाइटी के प्रधान, पैनल की शानदार जीत

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। सेक्टर-14 स्थित हाउसिंग बोर्ड फ्लैट ओनर्स एंड मेंटेनेंस कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की प्रबंध समिति के चुनाव में नरेश देशवाल पैनल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की। इसके विपरीत दूसरे पैनल से केवल एक उम्मीदवार ही जीत हासिल कर पाया।

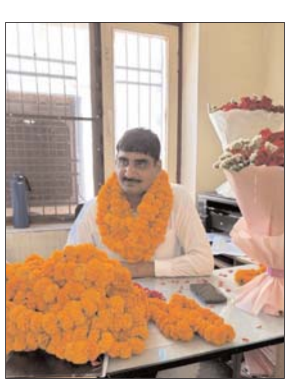

8 अप्रैल को संपन्न हुए इन चुनावों में कुल 13 उम्मीदवार मैदान में थे। नरेश देशवाल पैनल के सभी सदस्य नरेश देशवाल, कृष्ण कुमार, राममूर्ति, पूनम कुमारी, आंचल और विक्रम सिंह चौहान विजयी रहे। वहीं दूसरे पैनल से केवल कुलदीप सिंह ही जीत सके। चुनाव परिणाम के बाद समिति सदस्यों द्वारा प्रधान और उपप्रधान का चयन किया गया, जिसमें नरेश देशवाल को प्रधान और कृष्ण कुमार को उपप्रधान चुना गया। मतों के आंकड़ों पर नजर डालें तो सामान्य वर्ग में नरेश देशवाल को 140 वोट मिले, जबकि कुलदीप सिंह को 128, कृष्ण कुमार को 124 और राममूर्ति को 123 वोट प्राप्त हुए। महिला वर्ग में पूनम कुमारी को 116 और आंचल को 109 वोट मिले। अनुसूचित जाति वर्ग से विक्रम सिंह चौहान ने 133 वोट हासिल कर जीत दर्ज की।

अन्य उम्मीदवारों में अजीत सिंह (111), विरेंद्र सिंह ढिल्लो (110), यशवंत कंबोज (118), संतोष रानी (108), सुदेश रानी (104) और सतीश कुमार (113) को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव में कुल 272 मतदाताओं में से 240 ने मतदान किया, जिनमें 2 वोट रद्द हो गए। प्रत्येक मतदाता को सात उम्मीदवारों को वोट देने का अधिकार था। नवनिर्वाचित कमेटी ने अपनी जीत का श्रेय विकास अत्री और साहिल सलूजा को दिया, जिनकी रणनीति और सहयोग को अहम माना गया।

प्रवीण गोयल ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। सेक्टर-16 में समाजसेवी प्रवीण गोयल ने लोगों के साथ बैठक की और विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। प्रवीण गोयल ने कहा कि वार्ड नंबर 6 में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है और इन्हें हल करवाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्रवीण गोयल ने कहा कि वह पिछले 40 वर्ष से लोगों की समस्याओं को उठाते आए हैं। वार्ड-6 में सेक्टर 16, 17 व 18 आते हैं और सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों का समर्थन उन्हें है।32 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव और सक्रिय सामाजिक भूमिका के चलते उनकी पकड़ क्षेत्र में मजबूत मानी जा रही है। साफ-सफाई, बेहतर सड़कें और सुरक्षित माहौल जैसे मुद्दों पर उनका फोकस लोगों को आकर्षित कर रहा है।

राजस्थान की पचपदरा रिफाइनरी में भीषण आग

पंचकूला ऑब्जर्वर

जयपुर। राजस्थान की बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया था। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी इसी यूनिट का उद्घाटन करने वाले थे। आग के बाद पीएम का दौरा स्थगित हो गया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। करीब दो घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इस दौरान करीब 10 से 12 फायर ब्रिगेड से एक साथ पानी की बौछार की गई।

सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया गया था। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

HPCL राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड में पाइप लाइन से आने वाला कच्चा तेल इसी यूनिट में आता है। इस यूनिट में क्रूड ऑयल रिफाइन होकर अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सख्ती — लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए आयोग ने दिया निर्देश

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मतदान से पहले 48 घंटे का होगा 'ड्राई डे'

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। चुनाव आयोग ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम बंगाल के चुनाव वाले क्षेत्रों और पूरे तमिलनाडु में मतदान से पहले 48 घंटे का 'ड्राई डे' लागू किया जाएगा।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों का उपयोग करते हुए आयोग ने निर्देश दिया है कि मतदान खत्म होने से पहले के 48 घंटों के दौरान किसी भी होटल, रेस्टोरेंट, दुकान या सार्वजनिक/निजी स्थान पर शराब की बिक्री या वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह रोक क्लब, बड़े होटल और रेस्टोरेंट और उन सभी जगहों पर लागू होगी, जिनके पास शराब रखने या बेचने का लाइसेंस है। आयोग ने कहा कि इन जगहों पर तय समय के दौरान शराब परोसने की अनुमति नहीं होगी।

बयान में कहा गया है कि कानून के अनुसार, जहां-जहां विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां मतदान खत्म होने के समय से पहले के 48 घंटों को 'ड्राई डे' घोषित किया जाएगा। अगर दोबारा मतदान (री-पोल) होता है, तो उस दिन भी यही नियम लागू रहेगा। बिना लाइसेंस वाली जगहों पर शराब के भंडारण पर भी सख्ती से नजर रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। यह 'ड्राई डे' हर चरण के मतदान और किसी भी री-पोल के दौरान लागू रहेगा।

इधर, टीएमसी ने पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए हाईकोर्ट में दायर की याचिका

तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच में एक याचिका दायर की। पार्टी को आशंका है कि इस महीने के आखिर में पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग के निर्देशों के बाद पार्टी के लगभग 800 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के चार बार के लोकसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी की ओर से यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल दखल देने की मांग की। कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया है और इस मामले में पहली सुनवाई की संभावित तारीख 22 अप्रैल है। यानी 23 अप्रैल को होने वाले दो चरणों वाले विधानसभा चुनावों के पहले चरण से ठीक एक दिन पहले। तृणमूल कांग्रेस को आशंका थी कि पार्टी के लगभग 800 कार्यकर्ता, जिन पर चुनाव आयोग की लगातार नजर बनी हुई है, उसके निर्देशों के बाद चुनावों से पहले गिरफ्तार किए जा सकते हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में अपनी हर चुनावी रैली में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं, विशेष रूप से पोलिंग एजेंट और मतगणना एजेंटों के चुनाव से पहले गिरफ्तार होने को लेकर यही आशंका जताई थी।

पंजाब सरकार वर्ल्ड हार्टी सेंटर इकोसिस्टम की तर्ज पर बागवानी अनुभव और प्रशिक्षण केंद्र करेगी स्थापित

इस कदम का उद्देश्य फसल विविधता को बड़ा बढ़ावा देकर पंजाब के किसानों की तकदीर बदलना

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 अप्रैल। एक रणनीतिक समझौते के तहत, जो किसानों की तकदीर बदलने में अहम साबित होगा, राज्य सरकार वर्ल्ड हार्टी सेंटर इकोसिस्टम की तर्ज पर पंजाब में एक समर्पित बागवानी अनुभव और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जो फसल विविधता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों का हिस्सा होगा।

नीदरलैंड में निवेश प्रोत्साहन आउटरीच के तहत अपने दौरे के हिस्से के रूप में मुख्यमंत्री ने टिकाऊ कृषि, पुष्प खेती और उच्च-क्षमता वाली कृषि प्रणालियों में सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए वर्ल्ड हार्टी सेंटर (डब्ल्यू.एच.सी.), वेस्टलैंड और विश्व प्रसिद्ध केयूकेनहॉफ, लिसे सहित प्रमुख बागवानी संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने पंजाब में ऐसा ही केंद्र स्थापित करने का विचार प्रस्तुत किया और कहा कि प्रस्तावित केंद्र शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और सरकारी भागीदारों को एकजुट करके राज्य में नवाचार, कौशल विकास और टिकाऊ कृषि समाधानों को अपनाने में मदद करेगा। वर्ल्ड हार्टी सेंटर, जो ग्रीनहाउस हॉर्टिकल्चर इनोवेशन के लिए एक वैश्विक केंद्र है, पर सीईओ पैक वैन होल्स्टीन और मैनेजर इंटरनेशनल बिजनेस लैनी डिज्क्शूर्न ने भगवंत सिंह मान का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को संस्थान का व्यापक दौरा करवाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक अनोखा अनुभव था क्योंकि उन्हें नीदरलैंड के ग्रीनहाउस और नियंत्रित-वातावरण कृषि के विश्व प्रसिद्ध इकोसिस्टम से परिचित करवाया गया, जहाँ प्रौद्योगिकी, शोध, शिक्षा, उद्योग और सरकार के सहयोगात्मक प्रयासों ने पारंपरिक कृषि को उच्च-उत्पादकता वाली और टिकाऊ कृषि में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी मुख्य विशेषताओं में ग्रीनहाउस और उन्नत इनडोर कृषि प्रणालियों की प्रभावशीलता शामिल है, जो पानी के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करते हुए फसलों की पैदावार में महत्वपूर्ण वृद्धि करती हैं, कीटनाशकों पर निर्भरता घटाती हैं और पारंपरिक ओपन-फील्ड कृषि की तुलना में किसानों की आय में वृद्धि करती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह राज्य के लिए फसल विविधता को बड़ा बढ़ावा देने और किसानों को पानी की अधिक खपत वाली फसलों के चक्र से बाहर निकालने के लिए अधिक मददगार साबित हो सकता है।

लगभग 32 हेक्टेयर में फैले और उत्पादकों एवं उद्योग भागीदारों के सहयोग से तैयार किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 32 हेक्टेयर में फैले और उत्पादकों एवं उद्योग भागीदारों के सहयोग से तैयार किया गया, केयूकेनहॉफ एक उच्च संरचित, निर्यात-उन्मुख बागवानी मॉडल है, जो उत्पादन, पर्यटन और वैश्विक विपणन को एकीकृत करता है। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने पंजाब को पुष्प खेती के क्लस्टर विकसित करने, निर्यात संबंधों को मजबूत करने और एक समन्वित एवं बाजार-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से कृषि-पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि दोनों दौरों से सीखने से पंजाब के उच्च-मूल्य, प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि की ओर लौटने की उम्मीद है, जिसमें स्थिरता, उत्पादकता बढ़ाने और कृषि अर्थव्यवस्था की विविधता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौरा आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और पंजाब को एक पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में प्रोत्साहित करने में बहुत मदद करेगा। राज्य की औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति (आईबीडीपी) 2026 के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और व्यापार करने में मजबूत आसानी द्वारा समर्थित एक व्यापक और लचीला प्रोत्साहन ढांचा प्रस्तुत करता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब का उद्देश्य दीर्घकालिक प्रौद्योगिकी-अगुवाई वाली साझेदारी बनाना, ज्ञान के आदान-प्रदान को आसान बनाना और टिकाऊ कृषि के लिए एक प्रगतिशील, नवाचार-आधारित और विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में स्थापित होना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधों के विकास और संसाधन कुशलता को और बेहतर बनाने में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक सिंचाई प्रणालियों की भूमिका है। इसके साथ ही नवीन जल प्रबंधन प्रथाओं जैसे कि वर्षा जल संरक्षण, सिंचाई के पानी का पुनः उपयोग और नियंत्रित पोषक तत्व वितरण प्रणालियों की भूमिका भी जलवायु के अनुकूल कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए अहम है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सूचना के आदान-प्रदान और प्रौद्योगिकी साझेदारी सहित सहयोग की संभावनाओं को तलाशने और सिद्धांततः इस पर सहमति जताई।

मोहाली में अनुसंधान एवं विकास केंद्र बनाने की तैयारी

नीदरलैंड के एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स से मिले सीएम मान, पंजाब में निवेश करने का दिया न्योता

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब में निवेश लाने के मकसद से सीएम भगवंत मान अपनी टीम के साथ इन दिनो नीदरलैंड के दौरे पर है। सोमवार को उनकी टीम व उन्होंने नीदरलैंड के वर्ल्ड हॉर्टी सेंटर का दौरा किया। इस दौरान एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स को मोहाली में एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने की संभावना तलाशने के लिए आमंत्रित किया है।

नीदरलैंड के कार्यकारी निदेशक और कंट्री मै नेजर मॉरिस गेरिट्स तथा अंकित के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि वे एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर डिजाइन और रिसर्च आधारित नई तकनीकों में सहयोग के मौके देखें। उन्होंने यह भी कहा कि मोहाली एक अच्छा और रणनीतिक स्थान है। क्योंकि यहाँ कुशल लोगों की बड़ी संख्या है और इलेक्ट्रॉनिक्स का इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कंपनी को बताया कि सरकार मोहाली के कलेक्ट भवन क्षेत्र में 'सिलिकॉन वैली' जैसी व्यवस्था विकसित करने की योजना पर काम कर रही है, जो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आईटी सिटी के पास स्थित है। स्टार्टअप पंजाब के साथ साझेदारी के तहत सिस्टम डिज़ाइन सॉल्यूशंस और एनएक्सपी स्टार्टअप चैलेंज कार्यक्रम पर संभावित सहयोग पर भी चर्चा की। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, स्टार्टअप्स को समर्थन देना और आधुनिक तकनीकी समाधान विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने एनएफसी (नियर फील्ड कम्युनिकेशन), एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) और सुरक्षित कनेक्टिविटी तकनीकों जैसे क्षेत्रों में पंजाब के ऑटोमोटिव और ऑटो-कंपोनेंट इकोसिस्टम के उपयोग की भी बात की।

मोहाली में कई बड़े संस्थान: सीएम ने राज्य के मजबूत शैक्षणिक संस्थानों जैसे आईआईटी रोपड़, आईएसबी मोहाली, प्लाक्षा यूनिवर्सिटी, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज और थापर इंस्टिट्यूट का उल्लेख करते हुए कहा कि ये संस्थान उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियरिंग और रिसर्च वर्कफोर्स तैयार कर सकते हैंष्टरूने एनएक्सपी को पंजाब आने और संभावनाओं की खोज करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी कर निवेश बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

विदेशी संबंधों वाला नशा और हथियार तस्करी मॉड्यूल के चार गुर्गे गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

होशियारपुर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के उद्देश्य से चल रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए होशियारपुर पुलिस ने एक बड़े अंतर-राज्यीय/विदेशी संबंधों वाले नशा तस्करी और गैर-कानूनी हथियार तस्करी मॉड्यूल के चार गुर्गों को 9.925 किलोग्राम हेरोइन, दो .30 बोर के विदेशी पिस्तौलों सहित आठ मैगजीन और 40 जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मनजिंदर सिंह उर्फ सोनू निवासी गांव पथरालियां (होशियारपुर), शिवम भंडारी निवासी धीना (जालंधर), साहिल मसीह उर्फ मोनू निवासी गांव पखोके टाहली (गुरदासपुर) और रमेल रौजर निवासी गढ़शंकर (होशियारपुर) के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी विदेशी गैंगस्टरों से सीधे संपर्क में थे और उनके स्थानीय हैंडलर के रूप में काम करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी तथा गैर-कानूनी हथियारों की सप्लाई करते थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खात्मा किया जा सके।

विदेश-आधारित गैंगस्टरों के चार साथी दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

गिरफ्तार मुलजिमों में से एक व्यक्ति 2025 के अबोहर स्थित शोरूम मालिक के कत्ल केस में शामिल था: गौरव यादव

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने जिला एस.ए.एस. नगर पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में चार मुलजिमों को दो विदेशी .30 बोर पिस्तौलों और आठ जिंदा कारतूसों समेत गिरफ्तार करके विदेशी गैंगस्टरों द्वारा चलाए जा रहे एक गैंगस्टर मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार मुलजिमों की पहचान पटियाला के गांव उगाना निवासी अरमान सिंह, पटियाला के गांव नलास खुर्द निवासी चिराग, राजपुरा, पटियाला के गांव नलास कलां निवासी रविंदर सिंह उर्फ राहुल और पटियाला के गांव धमोली निवासी अक्षय उर्फ प्रिंस के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने मुलजिमों से पिस्तौल बरामद करने के अलावा उनकी सेडान होंडा अमेज कार भी बरामद कर ली है, जिसमें वे यात्रा कर रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार किए गए मुलजिमों में से अक्षय उर्फ प्रिंस नामक व्यक्ति जुलाई 2025 में अबोहर में 'वीयर वेल' शोरूम मालिक के कत्ल केस में शामिल था। उन्होंने बताया कि उक्त मुलजिम ने मुख्य हमलावरों को लॉजिस्टिकल सहायता प्रदान की थी। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है। कार्रवाई के बारे में विस्तार से बताते हुए एडीजीपी एजीटीएफ प्रमोद बान ने कहा कि एसएएस नगर की ओर अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर इस मॉड्यूल के चार गुर्गों को देखे जाने संबंधी विश्वसनीय जानकारी पर तेजी से कार्रवाई करते हुए एजीटीएफ और एसएएस नगर पुलिस कर्मियों की एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने तुरंत हाईवे की विभिन्न जगहों पर विशेष नाके लगा दिए। एडीजीपी ने बताया कि पुलिस टीम ने हाईवे पर जनैतपुर लिंक रोड के पास संदिग्ध व्यक्तियों को दो विदेशी पिस्तौलों और गोला-बारुद समेत काबू कर लिया।

अधिक जानकारी देते हुए सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) एसएएस नगर हरमनदीप हंस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिमों को उनके विदेशी हैंडलरों द्वारा पंजाब में बड़े अपराधों को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। एसएसपी ने आगे कहा कि इन गिरफ्तारियों से क्षेत्र में गंभीर अपराधों की संभावना टल गई है। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 तथा 3(5) और आर्म्स एक्ट की धारा 25(6) तथा 25(7)(द्व) के तहत थाना डेराबस्सी, एसएएस नगर में एफआईआर नंबर 162 तारीख 18.04.2026 दर्ज की गई है।

सरहद पार और मध्य प्रदेश आधारित हथियार तस्करी मॉड्यूल का अमृतसर में पर्दाफाश; छह पिस्तौलों समेत तीन गिरफ्तार

मध्य प्रदेश से गैर-कानूनी हथियार खरीद रहे थे आरोपी; पाकिस्तान आधारित तस्कर से भी थे संपर्क: डीजीपी

पंचकूला ऑब्जर्वर

अमृतसर, 20 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के मद्देनजर चल रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार और मध्य प्रदेश आधारित गैर-कानूनी हथियार सप्लाई मॉड्यूल के तीन मुलजिमों को छह पिस्तौलों समेत गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल को बेअसर कर दिया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां साझा की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दीपक सिंह उर्फ दीपू (22) निवासी कश्मीर एवेन्यू, अमृतसर; अरुण कुमार उर्फ साबू (26) निवासी नारायणगढ़, अमृतसर और सुखजिंदर सिंह उर्फ सुखा (29) निवासी रेहाना जट्टां, कपूरथला के रूप में हुई है। बरामद की गई पिस्तौलों में एक .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल, तीन .32 बोर और दो .30 बोर पिस्तौलों समेत सात जिंदा कारतूस शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम मध्य प्रदेश से गैर-कानूनी हथियार खरीदते थे। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान आधारित तस्करों के संपर्क में थे, जो सरहद पार से ड्रोन के जरिए भेजे गए गैर-कानूनी हथियारों को अपने स्थानीय हैंडलरों के माध्यम से क्षेत्र में सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क माझा और दोआबा क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम कर रहा था।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पूर्ण रूप से खात्मा किया जा सके। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सी.पी.) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुख्ता जानकारी के आधार पर योजनाबद्ध ऑपरेशन के तहत पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए पहले दीपक उर्फ दीपू को एक पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया और बाद में उसकी निशानदेही पर दो और पिस्तौलें बरामद की गईं। उन्होंने आगे बताया कि दीपक के खुलासे पर उसके दो अन्य साथी अरुण उर्फ साबू और सुखजिंदर उर्फ सुखा को भी गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से तीन पिस्तौलें बरामद की गईं।

कई गैंगस्टर नेटवर्कों को खात्मा; 3 महीनों में 49,298 अपराधी पुलिस के शिकंजे में

पंचकूला ऑब्जर्वर

- 'गैंगस्टरां ते वार' से गैंगस्टर गिरोहों में हड़कंप, हजारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई
- विदेशी हैंडलरों से जमीनी अपराधियों तक, 'गैंगस्टरां ते वार' ने संगठित अपराध की कमर तोड़ी

चंडीगढ़; 20 अप्रैल। पंजाब में संगठित अपराध के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा पूरे राज्य स्तर पर चलाए जा रहे मुख्य एंटी-गैंगस्टर अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के तीन महीने पूरे हो चुके हैं। यह अभियान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की निगरानी में और डीजीपी गौरव यादव की अगुवाई में पंजाब पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन ठोस कार्रवाई का एक मॉडल बनकर उभरा है, जो भारत के अंदर और विदेशों से चल रहे गैंगस्टर नेटवर्क को निशाना बनाते हुए पंजाब को अपराध-मुक्त बनाने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है। 20 जनवरी को शुरू किए गए इस अभियान का मकसद सिर्फ गैंगस्टरों को गिरफ्तार करना ही नहीं, बल्कि उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क, फंडिंग और संचार सिस्टम को भी खत्म करना है। पिछले तीन महीनों में 19 अप्रैल तक पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में 62,302 छापे मारे, जिनमें 915 भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। कुल मिलाकर 22,605 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 461 गैंगस्टरों के साथी और 22,144 वांछित मुलजिम शामिल हैं।

इस अभियान के तहत एहतियातन कार्रवाई पर भी काफी जोर दिया गया। कुल 10,254 मुलजिमों को एहतियातन हिरासत में लिया गया, जिनमें 444 साथी और 9,810 वांछित मुलजिम थे। इसके अलावा 16,439 लोगों की जांच करके उन्हें रिहा किया गया, जिनमें 1,277 साथी और 15,162 वांछित मुलजिम शामिल थे। कुल मिलाकर इस अभियान के दौरान 49,298 मुलजिमों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिनमें 2,182 साथी और 47,116 वांछित मुलजिम शामिल हैं। यह कार्रवाई की गहराई और विस्तार को दर्शाता है। गिरफ्तारियों के साथ-साथ बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए गए, जिससे अपराधी नेटवर्क की कार्यक्षमता कमजोर हुई। पुलिस ने इस दौरान 408 हथियार, 148 धारदार हथियार, 1197 कारतूस, 122 मैगजीन, 2.5 किलोग्राम विस्फोटक और 6 हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

इस अभियान ने नशा नेटवर्क पर भी बड़ा प्रहार किया। पुलिस ने 378.45 किलोग्राम हेरोइन, 301.947 किलोग्राम अफीम, 2,838.77 किलोग्राम भूक्की, 12,37,318 नशीली गोलियां, 7373.82 ग्राम नशीला पाउडर, 101.459 किलोग्राम गांजा और 790 ग्राम 'आईईसी' बरामद किया। इसके अलावा 1,05,31,171 रुपये की ड्रग मनी, 50,66,740 रुपये नकद और 273 ग्राम सोना भी जब्त किया गया। अवैध व्यापार पर लगाम लगाते हुए पुलिस ने 24,520.25 लीटर अवैध शराब भी जब्त की, जिसमें 10,984.75 बोतलें और 176 पेटियाँ शामिल हैं। गैंगस्टरों के लॉजिस्टिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए 4,229 मोबाइल फोन, 815 वाहन और 31 ड्रोन बरामद किए गए।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान ने कहा, 'यह अभियान सिर्फ गैंग या उनके नेटवर्क की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य उन्हें जड़ से खत्म करना है। हर पुलिस कर्मचारी राज्य के नागरिकों की सुरक्षा और भलाई के लिए इस अभियान को और तेज करने के लिए वचनबद्ध है। इस दौरान हर जिले, गांव और शहर में स्थानीय गैंगस्टर नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है।' उन्होंने आगे कहा, 'तीन महीनों में इस अभियान ने बड़ी सफलता हासिल की है। अब सिर्फ गैंगस्टर ही नहीं, बल्कि उनके समर्थक भी कार्रवाई से डर रहे हैं।

बेअदबी विरोधी कानून पर बुनियादी सवाल खड़े करती है सुखबीर बादल की चुप्पी: बलतेज

- जिन लोगों ने सालों तक बेअदबी का राजनीतिक फ़ायदा उठाया, अब कानून लागू होने के बाद उनके पास कोई शब्द नहीं बचा है

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने 'जगत जोत गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार बिल, 2026' पर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल की लगातार चुप पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब बेअदबी को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है, अकाली दल द्वारा कोई जवाब न आना कई गंभीर राजनीतिक सवाल खड़े करता है।

सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप पंजाब के स्टेट जनरल सेक्रेटरी और मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा कि आप की पंजाब सरकार ने बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून लाकर अपना वादा पूरा किया है, लेकिन जो लोग ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करते थे, वे अब चुप रहना पसंद कर रहे हैं। यह चुप्पी राजनीतिक रूप से बहुत कुछ कहती है। आप पंजाब के जनरल सेक्रेटरी ने आगे कहा कि जब भगवंत मान सरकार ने बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून लाने का ऐलान किया था, तो विरोधी पार्टियों ने इसे राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज कर दिया था। वे कहते थे, 'कानून लाओ, फिर देखेंगे।' आज यह कानून न सिर्फ पास हो गया है बल्कि पूरी तरह से लागू भी हो गया है, और वही लोग अब शांत हो गए हैं। बलतेज पन्नू ने कहा कि नए कानून में बेअदबी के कामों के लिए सख्त सज़ा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि कानून में उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने जैसे कड़े प्रावधान हैं, जो सज़ा और डर दोनों पक्का करते हैं।

पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अकाली-भाजपा गठबंधन और कैप्टन अमरिंदर सिंह की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार बेअदबी पर कोई असरदार कानून बनाने में नाकाम रही, हालांकि वे ऐसे बिल लाए जो कभी कानून बनने के लिए नहीं थे। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक फायदे के लिए यह मुद्दा ज़िंदा रहे। कुछ लोगों ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकीं और वे चाहते थे कि यह सिलसिला चलता रहे।

पिछली घटनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चाहे 2015 की घटनाएं हों, 1986 में नकोदर की घटना हो या 1978 की, हर कोई जानता है कि उस समय सत्ता में कौन था और वे कैसे कोई अहम कार्रवाई करने में नाकाम रहे। 2015 की बेअदबी की घटनाओं के दौरान, बार-बार उकसाने और धमकियों के बावजूद, उस समय की सरकार असरदार तरीके से कार्रवाई करने में नाकाम रही। महीनों तक गाली-गलौज वाले पोस्टर लगाए गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

बलतेज पन्नू ने पिछली सरकारों के जांच के तरीकों की भी आलोचना की और कहा कि जस्टिस ज़ोरा सिंह कमिशन और जस्टिस रणजीत सिंह कमिशन जैसे कमिशन की रिपोर्ट को नज़रअंदाज़ किया गया। गंभीर नतीजों को मामूली बताया गया और रिपोर्ट की कॉपियां सार्वजनिक तौर पर बहुत कम कीमत पर बांटी गईं। कानून बनाने के प्रक्रिया पर उन्होंने कहा कि आप सरकार ने बिल का मसौदा तैयार करने से पहले कानूनी माहिरों और धार्मिक नेताओं से काफी सलाह-मशविरा किया था।

इतिहास में यह दर्ज होगा कि गुरु ग्रंथ साहिब की मर्यादा की रक्षा के लिए कौन खड़ा हुआ और किसने गैरहाजिर रहना चुना

बलतेज पन्नू ने कहा कि कानून पास होने के बाद भी, न तो शिरोमणि अकाली दल और न ही उसकी लीडरशिप ने इसके समर्थन या विरोध में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी की चुप्पी भी उतनी ही चिंताजनक है। एसजीपीसी मीटिंग के बाद प्रेस से बात न करना राजनीतिक दबाव और स्पष्टता की कमी को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि अकाली दल का इकलौता विधायक भी विधानसभा के उस स्पेशल सेशन में शामिल नहीं हुआ, जहाँ यह बिल पास हुआ था। इतिहास में यह दर्ज होगा कि गुरु ग्रंथ साहिब की मर्यादा की रक्षा के लिए कौन खड़ा हुआ और किसने गैरहाजिर रहना चुना। बलतेज पन्नू ने कहा कि 13 अप्रैल को बिल पेश होने से लेकर 17 अप्रैल को राज्यपाल की मंजूरी और 20 अप्रैल तक नोटिफिकेशन जारी होने तक, यह 'आप' सरकार की मज़बूत राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है। कुछ ही दिनों में यह कानून पूरी तरह से बन गया और लागू हो गया, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सुखबीर सिंह बादल की चुप्पी दिखाती है कि वह पंजाब और उसकी धार्मिक भावनाओं के लिए मज़बूती से खड़े होने के बजाय अपने निजी और राजनीतिक हितों की रक्षा पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं।

गैंगस्टरां ते वार का 90वां दिन: 466 जगहों पर छापेमारी; 216 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 20 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' के 90वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 466 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के तालमेल के साथ सभी जिलों की पुलिस टीमों पूरे राज्य में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं। मुहिम के 90वें दिन, पुलिस टीमों ने 6 हथियारों समेत 216 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 22,605 हो गई है। इसके अलावा 59 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 67 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 6 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं, तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना भी दे सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' के 415वें दिन आज 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 3.9 किलो ग्राम हेरोइन, 393 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 7760 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

हरियाणा में 8,200 करोड़ की बकाया वसूली के लिए तेज होगा अभियान : मंत्री अनिल विज

बिजली चोरी पर कड़ा शिकंजा, बिजली चोरी वाले उपभोक्ताओं को अंतिम मौका

■ ऊर्जा मंत्री अनिल विज का सख्त आदेश- भूमि वसूली अधिनियम के तहत 15 दिन के भीतर बकाया वसूली के जारी होंगे पुनः नोटिस

पंचकूला ऑब्जर्वर

अंबाला, 20 अप्रैल। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि भूमि वसूली अधिनियम के तहत स्थायी रूप से काटे गए बिजली कनेक्शनों वाले उपभोक्ताओं से बकाया राशि की वसूली हेतु 15 दिनों के भीतर नोटिस जारी किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वसूली प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाए तथा इसमें किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। इसके अलावा, बकाया वसूली पर विशेष जोर देते हुए श्री विज ने बताया कि राज्य में कुल 8,200 करोड़ रुपये की बकाया राशि की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सरकारी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर इस प्रक्रिया को और अधिक तेज किया जाएगा।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली चोरी पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए जिन उपभोक्ताओं के यहां चोरी के मामले सामने आए हैं, उन्हें एक बार पुनः भूमि वसूली अधिनियम के तहत नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करवाने का अवसर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य की बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर बिजली आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनावश्यक बाधा न आने दी जाए। विज ने कहा कि बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मरों को 2 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 4 घंटे के भीतर बदलना अनिवार्य होगा। इसके लिए प्रत्येक उप-मंडल में पर्याप्त ट्रांसफार्मर बैंक एवं मोबाइल ट्रॉलियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, दैनिक बिजली आपूर्ति से संबंधित डेटा नियमित रूप से ऊर्जा मंत्री कार्यालय को भेजा जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 11 केवी/33 केवी फीडरों के आसपास पेड़ों की समय रहते छंटाई की जाए, ताकि बारिश और आंधी-तूफान के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न हो। इसके अलावा, ट्रांसफार्मरों के परिवहन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

ऊर्जा मंत्री ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि सभी तकनीकी कर्मचारी निर्धारित सुरक्षा किट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग में सामग्री की उपलब्धता, पारदर्शी इन्वेंट्री प्रबंधन तथा ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्रणाली को और सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत श्री विज ने कहा कि मार्च 2027 तक 2.2 लाख घरों तक सौर ऊर्जा पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्य में तेजी लाई जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को मासिक लक्ष्य निर्धारित कर समयबद्ध तरीके से उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऊर्जा मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय के साथ कार्य करते हुए राज्य में निर्बाध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मंडी मजदूरों ने कैथल-जींद हाईवे किया जाम

उठान ठप होने से काम का संकट, अधिकारियों के आश्वासन पर खुला जाम

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 20 अप्रैल। कैथल अतिरिक्त अनाज मंडी में काम न मिलने से उपजा आक्रोश सोमवार को सड़क पर उतर आया। रोजी-रोटी के लिए भटकते मजदूरों और पल्लेदारों ने जींद-कैथल मार्ग पर पेड़ों की टहनियां डालकर जाम लगा दिया। पेट की आग और जेब की खालीपन ने जब सब्र का बांध तोड़ा तो मजदूरों ने अपनी पीड़ा को विरोध के स्वर में बदल दिया। प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना था कि वे पिछले करीब एक सप्ताह से लगातार मंडी में काम की तलाश में आ रहे हैं लेकिन गेहूं के उठान का कार्य ठप होने के कारण उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा। सुबह घर से रोटी बांधकर निकलते हैं, उम्मीद होती है कि आज मेहनताना मिलेगा, लेकिन शाम को खाली हाथ लौटना पड़ता है। मजदूर सुरेश, रामपाल, रोशन और राहुल ने अपना दुखड़ा रोते हुए कहा कि हालात इतने खराब हैं कि शहर आने-जाने का खर्च भी जेब पर बोझ बनता जा रहा है। मजदूरों ने आरोप लगाया कि मंडी में लगभग 12 लाख गेहूं के कट्टे पड़े हैं और खुले में फसल के ढेर लगे हैं, फिर भी उठान की रफ्तार रेंगती नजर आ रही है। जहां प्रतिदिन लगभग 70 हजार कट्टों के उठान की व्यवस्था होनी चाहिए, वहां मुश्किल से एक हजार बैग भी नहीं उठाए जा रहे। इस धीमी प्रक्रिया का सीधा असर मजदूरों की आजीविका पर पड़ रहा है। उन्होंने ठेकेदार और प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि समय रहते सख्ती नहीं की गई तो स्थिति और विकट हो सकती है। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मजदूरों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। करीब आधे घंटे तक चले इस जाम के कारण मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन अधिकारियों के समझाने के बाद मजदूरों ने जाम खोल दिया।

वाहनों के पंजीकरण में तकनीकी देरी से उठान प्रभावित: डीएफएससी अधिकारी विरेंद्र कुमार ने बताया कि वाहनों के पंजीकरण में तकनीकी देरी के कारण उठान प्रभावित हुआ है, जिसे जल्द ही सुचारु कर लिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि गेहूं के उठान में तेजी लाई जाएगी ताकि मजदूरों को नियमित काम मिल सके।

एक नजर

स्कूलों में अच्छे शैक्षणिक वातावरण के लिए शिक्षकों की समस्याएं रखी

कुरुक्षेत्र। शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की ओर अधिकारियों ध्यान देना चाहिए। शिक्षक ही स्कूल में अच्छा शैक्षणिक वातावरण बनाते हैं। इसी उद्देश्य से हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी ने शिक्षा सदन पंचकूला में प्रदेश अध्यक्ष हरिओम राठी के नेतृत्व में नवनियुक्त महानिदेशक मौलिक शिक्षा विभाग हरियाणा मनीता मलिक से शिष्टाचार मुलाक़ात की। कुरुक्षेत्र के जिला अध्यक्ष राजपाल काल?ा ने बताया कि इस मौके पर हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महानिदेशक मौलिक शिक्षा विभाग हरियाणा को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए समय देने की मांग की। मनीता मलिक ने एसोसिएशन को शीघ्र समय देने का आश्वासन दिया। इस पर उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष हरिओम राठी सहित चतर सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष रोहतक रमेश सिवाच, डा. विजेन्द्र आचार्य प्रदेश सचिव ने भी मौजूद रहे।

सत्य के मार्ग को बताने वाला धर्म ही सनातन धर्म है: महंत राजेंद्र पुरी

कुरुक्षेत्र। जग ज्योति दरबार में महंत राजेंद्र पुरी के सम्मान में सोमवार को श्रद्धालुओं द्वारा एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह गुरुओं की सेवा एवं अवतरण दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। महंत राजेंद्र पुरी का श्रद्धालुओं द्वारा फूल मालाओं एवं पुष्प वर्षा से सम्मान के उपरांत विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इस मौके पर हवन यज्ञ में भी आहुतियां दी गई। महंत राजेंद्र पुरी ने श्रद्धालुओं के प्रेम एवं सम्मान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा, असहायों के सहयोग एवं गौ सेवा को समर्पित किया हुआ है उन्होंने कहा कि सत्य ही सनातन है। ईश्वर ही सत्य है, आत्मा सत्य है, मोक्ष ही सत्य है और इस सत्य के मार्ग को बताने वाला धर्म ही सनातन धर्म भी सत्य है।

आईटीआई में प्रधानमंत्री रोजगार मेले का आयोजन

निसिंग, 20 अप्रैल। सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) निसिंग में आज प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में अप्रेंटिसशिप के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जनक पोपली जी ने शिरकत की। संस्थान परिवार द्वारा उनका पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर 300 से अधिक प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें आईटीआई पास आउट एवं प्रशिक्षणरत विद्यार्थी शामिल रहे। मेले में विभिन्न कंपनियों एवं उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर प्रशिक्षार्थियों का साक्षात्कार किया तथा अप्रेंटिसशिप के लिए चयन प्रक्रिया संचालित की। इस मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से गोदरेज मोहाली, स्वराज, बी.डी.पी.ओ. ऑफिस निसिंग, मार्केट कमेटी निसिंग, बी.डी.पी.ओ. चिड़ाव तथा किंग फील्ड शामिल रहे।

देवेंद्र सिंह कल्याण ने चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को दिए स्पष्ट निर्देश

ईवीएम सुरक्षा, व्यय नियंत्रण और कानून-व्यवस्था पर रखें विशेष फोकस

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 20 अप्रैल। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने आज हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकुला में आयोजित बैठक में सामान्य, पुलिस एवं व्यय पर्यवेक्षकों के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा करते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें तथा मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से नकदी, शराब, कपड़े या अन्य प्रलोभनों के वितरण पर सख्त नजर रखें। अवैध हथियारों, आपराधिक तत्वों एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ जहां ईवीएम मशीनें रखी गई हैं, उन स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि पर्यवेक्षक जिला प्रशासन की तैयारियों का निरंतर आकलन करें और किसी भी कमी को तुरंत आयोग के संज्ञान में लाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक अपने कार्यस्थल पर तैनात रहेंगे।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि मतदान कर्मियों और ईवीएम की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में ही की जाएगी। पर्यवेक्षक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर मतदान केंद्रों पर कानून-व्यवस्था और मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा करेंगे तथा चुनाव अवधि के दौरान मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि व्यय पर्यवेक्षक प्रत्येक प्रत्याशी के खर्च का नियमित निरीक्षण करें और कम से कम प्रत्येक तीन दिन में लेखा का परीक्षण सुनिश्चित करें। चुनाव के दौरान शराब की अवैध आपूर्ति और उपयोग पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार नाकेबंदी कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त, प्रत्याशियों को उनके व्यय रजिस्टर के रख-रखाव, निर्धारित सीमा, निरीक्षण की तिथियों एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के बारे में समयबद्ध तरीके से अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए। मतदान के पश्चात व्यय संबंधी विस्तृत रिपोर्ट आयोग को निर्धारित समय में भेजना अनिवार्य होगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की धमकी, दबाव या प्रलोभन से मतदाताओं को सुरक्षित रखा जाए। मतदान के बाद किसी भी प्रकार की हिंसा या अप्रिय घटना की स्थिति में निर्धारित प्रारूपों में रिपोर्ट आयोग को भेजना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि पर्यवेक्षक केवल राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करेंगे और किसी अन्य प्राधिकरण से निर्देश प्राप्त नहीं करेंगे। किसी भी विशेष मामले में आयोग द्वारा निर्देशित होने पर तुरंत जांच कर रिपोर्ट सीधे आयोग को भेजी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित प्रावधानों के तहत मतगणना प्रक्रिया को रोकने अथवा परिणाम घोषित न करने के निर्देश भी दिए जा सकते हैं।

जनसंपर्क और शिकायत निवारण पर फोकस

उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक के ठहरने के स्थान और मोबाइल नंबर की जानकारी प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए आमजन तक उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कोई भी मतदाता, उम्मीदवार या राजनीतिक दल अपनी शिकायत सीधे पर्यवेक्षक तक पहुंचा सके। पर्यवेक्षक सभी पक्षों के लिए सुलभ रहेंगे और प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

व्यय निगरानी के लिए सख्त प्रावधान

व्यय पर्यवेक्षकों के लिए विशेष निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन से लेकर परिणाम घोषणा तक अपने चुनाव खर्च का दिन-प्रतिदिन सही लेखा-जोखा रखना अनिवार्य है। सभी खर्च जैसे वाहन, ईंधन, प्रचार सामग्री, विज्ञापन, भोजन-पानी एवं अन्य चुनावी गतिविधियों पर होने वाला व्यय निर्धारित सीमा के अंतर्गत ही होना चाहिए। निर्धारित सीमा से अधिक खर्च या सही विवरण प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित प्रावधानों के तहत अयोग्यता की कार्रवाई की जा सकती है।

शहरी शिक्षा समिति ने मेधावी छात्रों व शिक्षकों को किया सम्मानित

नरवाना, 20 अप्रैल। गांव सिंसर के राजकीय विद्यालय में राह ग्रुप फाउंडेशन एवं शहरी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों तथा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने की।

समारोह के दौरान राष्ट्रीय माध्यमिक मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 4 मेधावी छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भूमिका निभाने वाले 11 शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर गौरवान्वित किया गया। इसके अतिरिक्त समाज सेवा में सक्रिय दो समाजसेवियों को भी सम्मानित कर उनकी सेवाओं को सराहा गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त माध्यम है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों व शिक्षकों को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। राह ग्रुप फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष राजेश टांक दनौदा ने विद्यार्थियों व युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से जुलाई माह में प्रत्येक द्वारा पांच-पांच पौधे लगाने का संकल्प लेने की अपील की, ताकि पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान दिया जा सके।

फाउंडेशन के उपप्रधान डॉ. अमित सैन ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि एक साथ 11 शिक्षकों का सम्मानित होना उनके समर्पण, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राह ग्रुप फाउंडेशन एवं शहरी शिक्षा समिति पिछले कई वर्षों से शिक्षा, समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही हैं।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने सुनीं हलका वासियों की समस्याएं

घरौंडा, 20 अप्रैल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने सोमवार को अपने फार्म हाउस पर जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत हलका वासियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों ने अपने गांवों से जुड़ी विकास संबंधी मांगें रखीं। इनमें मुख्य रूप से कोहंड में विद्यालय की बिल्डिंग बनवाने, गांव तारपुर के पास खादर एरिया में डेरे के रास्ते को पक्का करवाने, गांव कालरम में चौपाल तथा हॉल का निर्माण करवाने, पंजू राम कॉलोनी में पीने के पानी की नयी पाइप लाइन बिछवाने, गांव गुढा में महिला मीटिंग हॉल का निर्माण करवाने और गांव रसिन में बैंक्वेट हॉल बनवाने आदि की मांगें शामिल थीं। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा उठाई गई सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान उनकी प्राथमिकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार समूचे प्रदेश में समान रूप से विकास परियोजनाओं को तेज गति से बढ़ा रही है ताकि जिस परियोजना को जिस मकसद के लिए बनाया जा रहा है वो पूरा हो।

अर्बन चैलेंज फंड से विकास को मिलेगी नई रफ्तार : मेयर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में करनाल बनेगा आधुनिक विकास का मॉडल

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल, 20 अप्रैल। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) का स्वागत करते हुए इसे शहरों के समग्र, सुदृढ़ और दीर्घकालिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी पहल बताया है।

उन्होंने कहा कि करनाल ने पहले भी स्वच्छता और सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण से अनेक आयाम स्थापित किए हैं। अब इसी क्रम में यूसीएफ के माध्यम से विकास की गति और तेज की जाएगी। मेयर ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन व प्रेरणा से शुरू किया गया यह फंड भारत के शहरी विकास के स्वरूप को नई दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल को केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल द्वारा यूसीएफ के संचालन संबंधी महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए जाने के बाद करनाल सहित देश के शहरों के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलने की ठोस संभावनाएं बनी हैं।

मेयर रेणु बाला गुप्ता ने बताया कि 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से संचालित यह फंड अगले पांच वर्षों में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के शहरी निवेश को गति देगा, जिसमें द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी के शहरों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के लिए 25 प्रतिशत तक केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी, जबकि कम से कम 50 प्रतिशत राशि बाजार आधारित स्रोतों– जैसे बैंक ऋण, नगरपालिका बॉण्ड तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी से जुटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यूसीएफ के माध्यम से पुराने शहरी क्षेत्रों और पारंपरिक बाजारों के पुनर्विकास, शहरी परिवहन और अंतिम छोर तक संपर्क व्यवस्था, गैर-मोटर चालित परिवहन, जल आपूर्ति, सीवरेज और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, छोटे शहरों के लिए ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना उन्हें पहली बार बाजार आधारित वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। मेयर ने विश्वास व्यक्त किया कि करनाल, जो पहले ही स्वच्छता और समग्र विकास के क्षेत्र में प्रदेश और देश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुका है, इस योजना के माध्यम से और अधिक सशक्त होकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि करनाल स्मार्ट सिटी के रूप में निरंतर प्रगति कर रहा है और यूसीएफ के सहयोग से शहर के बुनियादी ढांचे, नागरिक सुविधाओं और शहरी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया जा सकेगा।

यह फंड केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहरों को सुशासन, बेहतर योजना और वित्तीय सुदृढ़ता की दिशा में भी प्रेरित करता है। इससे करनाल को एक स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित और निवेश के लिए आकर्षक शहर के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। मेयर रेणु बाला गुप्ता ने केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी और करनाल नगर निगम इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाकर शहर के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विकास की उड़ान भर रहा करनाल करनाल ने पूर्व में भी स्वच्छता, सुव्यवस्थित शहरी प्रबंधन और समग्र विकास के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। शहर ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है। अब अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से करनाल के विकास को और अधिक गति मिलने की संभावनाएं प्रबल हुई हैं। यह योजना शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, आधुनिक सुविधाएं विकसित करने और नागरिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। करनाल नगर निगम इस अवसर का लाभ उठाते हुए शहर को एक आदर्श, स्वच्छ, आधुनिक और भविष्य उन्मुख स्मार्ट सिटी के रूप में स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

हर गांव में लाइब्रेरी बनाई जाएगी : कल्याण

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल, 20 अप्रैल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधामंत्री जी से लेकर पूर्व में हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल व मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सैनी तक देश व प्रदेश की तरक्की में जी जान से जुटे हुए है।हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत बरसत मंडल के गांव अराईपुरा में शनिवार को घरौंडा इलाके के विधायक होने के नाते शामिल हुए पहुंचे।

उन्होंने कहा है हम सभी को आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। भाजपा सरकार ने मैरिट के आधार पर नौकरी देने की एक ऐसी मुहिम चलाई है। जिससे प्रत्येक वर्ग के बच्चों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा ये सरकार की नीतियों का ही परिणाम है की बच्चों के भीतर अब पढने की भावना जागृत हो रही है। श्री कल्याण ने कहा की प्रत्येक गांव में बच्चों को बेहतर पढ़ाई की सुविधा मिले, उसके लिए लाइब्रेरी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

हरविंद्र कल्याण ने कहा है पिछले 12 सालों में घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में काफी विकास कार्य हुए हैं। जिसमें कुटेल स्थित मेडिकल यूनिवर्सिटी, रिंग रोड और ज्ञानपुर में नवनिर्माण एनसीसी एकेडमी, महिलाओं के लिए कॉलेज, सड?ो व पुलो का निर्माण सहित विकास कार्यो हुए हैं। उन्होंने कहा कि रिंग रोड व मेडिकल यूनिवर्सिटी का निर्माण होने के बाद युवाओं को रोजगार के साधन भी स्थापित होंगे। भाजपा सरकार ने किसानो के फसल का सीधा पैसा जाने, बुजुर्गो की पेंशन सीधी खाते में आने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबो के लिए मकानों का निर्माण कराना जैसी जनकल्याण योजना चलाई है। जिसका पात्र लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। गांव में पहुंचने पर ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की तरफ से स्पीकर हरविंद्र कल्याण का भव्य अभिनंदन किया गया।

युजवेंद्र चहल के 'मैसेज' विवाद पर

तान्या चटर्जी ने तोड़ी चुप्पी

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ 'क्यूट' कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।' तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। ' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी। ' उन्होंने कहा, 'चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ' तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता। मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

अगले साल रिलीज होगी 'लव एंड वॉर', भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म 'सांवरिया' में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

जब शबाना रजा बनीं 'नेहा'

एक नाम ने बदल दी पहचान और बना दिया खास चेहरा

फिल्मी दुनिया में नाम का बेहद महत्व होता है। कई बार एक नाम ही किसी कलाकार की पूरी पहचान बन जाता है और उसे लोगों के दिलों में खास जगह दिलाता है। ऐसी ही एक कहानी है अभिनेत्री शबाना रजा की, जिन्हें आज भी लोग 'नेहा' के नाम से याद करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह नाम उन्हें फिल्मों में आने के बाद मिला और धीरे-धीरे यही उनकी असली पहचान बन गया। शबाना रजा का जन्म 18 अप्रैल 1975 को हुआ था। वह एक साधारण परिवार से थीं, उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली से की। वह कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था। एक दिन उन्हें फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिसे उन्होंने पहले तो ठुकरा दिया, लेकिन बाद में परिवार के समझाने पर उन्होंने हां कह दी। उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब उन्होंने साल 1998 में फिल्म 'करीब' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म के निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा थे। इसी फिल्म में उनके किरदार का नाम 'नेहा' था और निर्देशक ने उन्हें यही नाम अपनाने की सलाह दी। धीरे-धीरे यह नाम इतना लोकप्रिय हो गया कि शबाना रजा को लोग उनके असली से ज्यादा 'नेहा' के नाम से जानने लगे। फिल्म 'करीब' में उनके साथ बॉबी देओल नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी सादगी और मासूमियत को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद, नेहा ने 'होगी प्यार की जीत' में अजय देवगन के साथ काम किया। यह फिल्म सफल रही और इससे उनकी पहचान और मजबूत हुई। उन्होंने 'फिजा' में ऋतिक रोशन के साथ भी काम किया। इसके अलावा, 'राहुल' और 'आत्मा' समेत कई फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाया। हालांकि, उनका करियर ज्यादा समय तक नहीं रहा। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों से दूरी बनानी शुरू कर दी और आखिरकार साल 2009 में 'एसिड फैक्ट्री' के बाद वह पूरी तरह से पर्दे से दूर हो गईं। निजी जिंदगी की बात करें तो, शबाना रजा ने मनोज बाजपेयी से 2006 में शादी की। दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो बाद में प्यार में बदल गई। कई सालों तक एक-दूसरे को समझने के बाद उन्होंने शादी के बंधन में बंधने का फैसला लिया। शादी के बाद नेहा ने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और फिल्मों से दूरी बना ली।

समय जल्दी बीत जाता है...

अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, 'बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।'

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, 'धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।' उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस :

सरकारी गवाह बनना चाहती हैं जैकलीन , कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक नया और बड़ा मोड़ सामने आया है। लंबे समय से चल रहे इस हाई-प्रोफाइल केस में अब जैकलीन ने खुद आगे आकर सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की इच्छा जताई है। दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जैकलीन फर्नांडिस ने कहा कि वह इस मामले में जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना चाहती हैं और सरकारी गवाह बनने के लिए भी तैयार हैं। इस पर अदालत ने बताया कि इसके लिए उन्हें सीधे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने औपचारिक आवेदन देना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जांच एजेंसी उनके बयान और सहयोग के आधार पर ही तय करेगी कि उन्हें अप्रूवर बनाया जाए या नहीं। अदालत ने इस मामले में ईडी को नोटिस भी जारी किया है और अगली सुनवाई की तारीख 20 अप्रैल तय की है।

इसके अलावा, जैकलीन को 24 अप्रैल से 25 मई के बीच विदेश यात्रा की अनुमति भी दे दी गई है। हालांकि, इस दौरान उन्हें तय शर्तों का पालन करना होगा और जांच में सहयोग जारी रखना होगा। बता दें कि पूरा मामला 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर को मुख्य आरोपी माना गया है। आरोप है कि उसने जेल के अंदर रहते हुए ही ठगी और रंगदारी का बड़ा नेटवर्क चलाया और कई लोगों से करोड़ों रुपए वसूले। इसी दौरान उसका संपर्क बॉलीवुड से भी जुड़ा, और जैकलीन फर्नांडिस का नाम इस केस में सामने आया। ईडी की जांच के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन को कई महंगे तोहफे दिए थे, जिनमें लग्जरी घड़ियां, महंगे बैग, जूलरी और अन्य कीमती सामान शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि ये सभी चीजें गैरकानूनी तरीके से कमाए गए पैसों से खरीदी गई थीं। हालांकि, इस पर जैकलीन का कहना है कि उन्हें सुकेश की असली पहचान और उसके अपराधों के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने अदालत को बताया कि सुकेश ने खुद को एक बड़ा बिजनेसमैन बताकर उन्हें गुमराह किया था।

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।'' पत्रलेखा ने कहा, ''प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है। अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ''अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, 'आपके बिना सब खाली है'

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, 'निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। '

उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ' अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'अक्सर 2' जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com